कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2023
एम.जे.वाई.-003 : पंचांग एवं मुहूर्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिए। 3×20=60

1. पञ्चांग क अर्थ एवं स्वरूप को बताते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
2. वार परिचय बताते हुए वारक्रम का उल्लेख करके इसके साधन का निरूपण कीजिए।
3. मुहर्त्त किसे कहते हैं ? पठित अंश के आधार पर मुहूर्त के विविध पक्षों का वर्णन कीजिए।

4. तिथि साधन से आप क्या समझते हैं ? इसके विविध पक्षों का उल्लेख कीजिए।
5. सोलह संस्कारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
6. व्रत सम्बन्धी नियमों का वर्णन करते हुए व्रत निर्णय का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×10=40

1. पञ्चांग की परम्परा का सप्रमाण वर्णन कीजिए।
2. पञ्चांग के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
3. करण साधन से आप क्या समझते हैं ? उल्लेख कीजिए।
4. योग का क्या अर्थ है ? योगसाधन विधि का वर्णन कीजिए।
5. विवाह संस्कार के मुहूर्त सम्बन्धी विचारों का उल्लेख कीजिए।
6. उपनयन का क्या अर्थ है ? इसके मुहूर्त्त एवं विधि का वर्णन कीजिए।
7. पूर्णिमा के पर्वों का उल्लेख कीजिए। साथ ही पर्व सम्बन्धी पूर्णिमा का क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।
8. उत्सव से आप क्या समझते हैं ? उत्सव के रूप में गंगा दशहरा और जगन्नाथ यात्रा का वर्णन कीजिए।